Important Questions उपनिवेशवाद और देहात || Class 12 History Chapter 10 in Hindi ||

1 अंक वाले प्रश्न

Important Questions

प्रश्न 1.इस्तमरारी बंदोबस्त क्या था?

उत्तर : स्थायी बंदोबस्त अथवा इस्तमरारी बंदोबस्त ईस्ट इण्डिया कंपनी और बंगाल के जमींदारों के बीच कर वसूलने से सम्बंधित एक स्थाई व्यवस्था हेतु सहमति समझौता था जिसे बंगाल में लार्ड कार्नवालिस द्वारा 22 मार्च, 1793 को लागू किया गया।

प्रश्न 2. पांचवी रिपोर्ट ब्रिटिश संसद में कब पेश की गई?

उत्तर : सन् 1813 में ब्रिटिश संसद में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई , जिनमें से एक रिपोर्ट पाँचवी रिपोर्ट कहलाती थी।

प्रश्न 3. रैयतवाड़ी बंदोबस्त क्या है?

उत्तर :

- इस व्यवस्था को 1820 में टॉमस मुनरो द्वारा लागू किया गया।
- यह व्यवस्था भारत के दक्कन क्षेत्र में लागू की गई थी।
- इस व्यवस्था में किसान स्वयं जाकर अपना कर जमा करवाता था।

प्रश्न 4. रैयतवाड़ी व्यवस्था सर्वप्रथम कहां लागू हुई?

उत्तर : यह व्यवस्था भारत के दक्कन क्षेत्र में लागू की गई थी।

प्रश्न 5. भाड़ा पत्र क्या था?

उत्तर : जब किसान ऋणदाता का कर्ज चुकाने में असमर्थ हो जाता है तो उसके पास अपना जमीन ,गाड़ियाँ ,पशुधन देने के अतिरिक्त कोई उपाय नहीं था , लेकिन जीवनयापन हेतु खेती करना जरूरी था। इसलिए उसने ऋणदाता से जमीन , पशु या गाड़ी फिर किराए पर ले ली , इसके लिए उसे एक भाड़ा-पत्र लिखना पड़ता था।

प्रश्न 6. संथाल कौन थे? उनके जीवन की विशेषताएं बताइए?

उत्तर :

- 1780 के दशक के आसपास संथाल बंगाल में आने लगे थे।
- जमींदारों द्वारा इन्हें खेती करने के लिए भाड़े पर रखा जाता था।

- कुदाल को पहाड़ी लोगो और हल को संथालो का प्रतीक मन जाता है क्योकि पहाड़ी लोग कुदाल से ज़मीन खोद कर खेती करते थे जबकि संथालो द्वारा खेती के लिए हल का प्रयोग किया जाता था।

प्रश्न 7. दक्कन दंगा आयोग से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : ब्रिटिश सरकार ने "दक्कन उपद्रव आयोग" का गठन किया। किसानों की स्थिति में सुधार हुए 1876 ई० में " दक्कन कृषक राहत अधिनियम 1879" को पारित किया गया। बेदखल खेतिहर किसानों को उनकी जमीनें वापस लौटाना था। विशेष अवसरों जैसे शादी एवं त्यौहारों पर किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान कराना

प्रश्न 8. पहाड़ी लोग अपना निर्वाह कैसे करते थे?

उत्तर : जीवन निर्वाह के लिए इनके द्वारा झूम खेती की जाती थी। जिसमें यह जंगल में स्थित झाड़ियों को काटकर जमीन को साफ कर लेते थे और फिर अपने कुदाल की मदद से जमीन को खोदकर वहां पर खेती करते थे।

प्रश्न 9. वह दूसरी जनजाति कौन सी थी, जिससे पहाड़ी लोगों को संघर्ष करना पड़ा?

उत्तर : संथाल।

प्रश्न 10. इस्तमरारी बंदोबस्त के समय बंगाल के गवर्नर जनरल कौन थे?

उत्तर : स्थायी बंदोबस्त अथवा इस्तमरारी बंदोबस्त ईस्ट इण्डिया कंपनी और बंगाल के जमींदारों के बीच कर वसूलने से सम्बंधित एक स्थाई व्यवस्था हेतु सहमति समझौता था जिसे बंगाल में लार्ड कार्नवालिस द्वारा 22 मार्च, 1793 को लागू किया गया।

प्रश्न 11. दस्तावेज़ों को जलाने का कार्यक्रम कौन से गांव से शुरू हुआ?

उत्तर : 12 मई 1875 को किसानों ने विद्रोह की शुरुआत की यह विद्रोह साहूकारों और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध था।

इसकी शुरुआत पुणे में स्थित एक जगह सुपा से हुई।

प्रश्न 12. हल और कुदाल की लड़ाई क्या थी?

उत्तर : कुदाल को पहाड़ी लोगो और हल को संथालो का प्रतीक मन जाता है क्योकि पहाड़ी लोग कुदाल से ज़मीन खोद कर खेती करते थे जबकि संथालो द्वारा खेती के लिए हल का प्रयोग किया जाता था।

प्रश्न 13. दक्कन दंगा रिपोर्ट ब्रिटिश पार्लियामेंट में कब पेश की गई?

उत्तर : लेकिन भारत सरकार ने, जो कि 1857 की याद से चिंतित थी बम्बई की सरकार पर दबाव डाला कि वह दंगों के कारणों की छानबीन करने के लिए एक जाँच आयोग बैठाए। आयोग ने एक रिपोर्ट तैयार की जो 1878 में ब्रिटिश पार्लियामेंट में पेश की गई।

प्रश्न 14. दामिन ए कोह क्या थी?

उत्तर : जमीन के एक बहुत बड़े हिस्से को संथालो की भूमि घोषित कर दिया गया और इस इलाके को दामिन-ए-कोह का नाम दिया गया।

प्रश्न 15. अंग्रेजों के विरुद्ध संथालो ने किस वर्ष विद्रोह किया?

उत्तर : 1855-56 में संथाल विद्रोह को जन्म दिया।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 16. अवध का विलय ब्रिटिश भारत में किस वर्ष किया गया?

उत्तर : 1856 में अवध का अधिग्रहण अंग्रेजों की साम्राज्य विस्तार की नीति का तार्किक परिणाम था। इसमें कुशासन के आरोप के आधार पर अवध के नवाब वाजिद अली शाह को गद्दी से उतार दिया गया तथा अवध को प्रत्यक्ष रुप से ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया गया।

प्रश्न 17. जोतदार कौन थे?

उत्तर :

- 18 वीं शताब्दी की शुरुआत में कुछ धनी किसानों का उदय हुआ।
- यह वें किसान थे, जिनके पास बड़ी मात्रा में भू संपत्ति थी।

प्रश्न 18. स्थाई बंदोबस्त कब और कहाँ लागू किया गया?

उत्तर : इस स्थिति में सुधार के लिए कंपनी सरकार ने लार्ड कार्नवालिस को स्थायी सुधार के लिए नियुक्त किया। स्थायी बंदोबस्त अथवा इस्तमरारी बंदोबस्त ईस्ट इण्डिया कंपनी और बंगाल के जमींदारों के बीच कर वसूलने से सम्बंधित एक स्थाई व्यवस्था हेतु सहमति समझौता था जिसे बंगाल में लार्ड कार्नवालिस द्वारा 22 मार्च, 1793 को लागू किया गया।